खड़े ट्रेक्टर की ट्रॉली से टकराई बाइक

हाटूपुर मोड़ के पास हुई घटना, एक की मौत, दो घायल

नवभारत न्यूज

पन्ना 30 मार्च। विगत दिवस शाम को पन्ना जिले के बृजपुर थाना अन्तर्गत पन्ना पहाडीखेरा मार्ग स्थित हाटूपुर मोड के पास सडक किनारे खडे ट्रेक्टर ट्राली से तेज रफ्तार बाइक अनियंत्रित होकर टकरा गई जिसमें सवार 3 लोगो में से 1 की मौत तथा 2 अन्य घायल हो गये।

प्राप्त जानकारी के अनुसार बाइक की रफ्तार इतनी तेज थी कि चालक लवकेश उर्फ लक्खू पिता मिलन गौड उम्र 16 वर्ष निवासी ग्राम मडला थाना मडला जिला पन्ना की घटना स्थल पर ही मौत हो गई। मृतक नाबालिग के साथ बाइक में अन्य दो बालक उमेश गौड पिता शंकर गौड उम्र 17 वर्ष तथा सुजीत पिता सुरतदीन गौड उम्र 14 वर्ष दोनो निवासी ग्राम मडला को भी चोंटे आई, जो घटना के बाद मौके से भाग गये। उक्त घटना के संबंध में प्राप्त जानकारी के अनुसार नाबालिग बाइक से बृजपुर से पन्ना की ओर दो अन्य बालकों के साथ बाइक से जा रहा थां हाटूपुर मोड के पास सडक किनारे एक ट्रेक्टर ट्राली खडी हुई थी।

बाइक की रफ्तार तेज होने से अनियंत्रित हुई बाइक पीछे ट्राली से टकरा गई, जिससे बाइक सहित तीनो नीचे जा गिरे। बाइक चला रहे युवक के सिर में आई गंभीर चोटों की से घायल हुये नाबालिग की मौत हो गई। घटना के बाद चोटिल हुये मृतक के दोनो साथी घबरा गये और मौके से दुर्घटनाग्रस्त बाइक उठाकर भाग गए। घटना की सूचना मिलने पर बृजपुर थाना प्रभारी शक्ति प्रकाश पाण्डेय हमराही स्टाफ के साथ घटना स्थल पर पहुंचे एवं संपूर्ण मामले की पुलिस द्वारा जांच की जा रही है।

ऑटो व बाइक की टक्कर, महिला की मौत,5 लोग हुए घायल

पन्ना जिले के बृजपुर थाना की पहाडीखेरा चौकी अंतर्गत पहाडीखेरा से 02 किलोमीटर दूर ग्राम उमरी पहुंच मार्ग स्थित करही बराह नदीं के पास सडक़ मार्ग में तेज रफ्तार आटो व बाइक के बीच हुई आमने-सामने की भिड़त में एक महिला की मौत हो गई। हादसे में पांच ग्रामीण घायल हुए है घायलों में दो महिलाए शामिल हैं। हादसे में मृत हुई महिला की पहचान बृजपुर थाना क्षेत्र के पहाडीखेरा चौकी अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत उमरी के भवानीपुर ग्राम की निवासी कल्ली बाई पाल 62 वर्ष के रूप में हुई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार 17 वर्षीय करन अहिरवार अपनी बाइक से 35 वर्षीय महिला अर्चना अहिरवार को बाइक में पीछे बैठाकर हरद्वाही से पहाडीखेरा की ओर आ रहा था। वहीं आटो क्रमांक एमपी-19-आर-4558 का चालक नत्थू गौड़ निवासी ग्राम भवानीपुर पहाडीखेरा से सवारी लेकर उमरी की ओर जा रहा था। रास्ते में करही बराह नदीं पास अंधे मोड में तेज रफ्तार बाइक और आटो की आमने-सामने टकरा गई और दुर्घटनाग्रस्त आटो मौके पर पलट गई जिससे हुए हादसे में मृतिका कल्ली बाई पाल सहित आटो में सवार लुलिया अहिरवार उम्र 50 वर्ष निवासी ग्राम तिल्हौरा थाना बरौधा जिला सतना, बेटालाल लोधी उम्र 50 वर्ष निवासी ग्राम उमरी थाना बृजपुर, रामआसरे गौड़ उम्र 40 वर्ष निवासी ग्राम भवानीपुर घायल हो गए इसके साथ ही साथ बाइक चला रहा युवक करन अहिरवार और उसके साथ बैठी महिला अर्चना अहिरवार भी दुर्घटनाग्रस्त होकर घायल हो गए। घायलों को जिला चिकित्सालय इलाज हेतु पन्ना भेजा गया, अर्चना अहिरवार को हालत गंभीर होने पर परिजन उसे जबलपुर उपचार के लिए ले गए है।

रोजगारपरक प्रशिक्षण के समापन पर वितरित किए प्रमाण पत्र

पन्ना 30 मार्च। भारतीय स्टेट बैंक के ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान पन्ना में सोमवार को आजीविका मिशन एवं आरसेटी के संयुक्त प्रयास से आयोजित 12 दिवसीय वेजीटेबल नर्सरी मैनेजमेंट प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफल समापन हुआ। प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले 27 प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित कर रोजगारपरक गतिविधियां आरंभ करने के लिए शुभकामनाएं दी गईं। आरसेटी में आगामी एक से 30 अप्रैल तक पन्ना जिले के ग्रामीण युवकों के लिए सेलफोन एवं टू व्हीलर रिपेयरिंग का प्रशिक्षण आयोजित किया जाएगा। इसके लिए आवेदन की अंतिम तिथि 2 अप्रैल निर्धारित है। इच्छुकजनों को अविलंब पंजीयन कराने की सलाह दी गई है। आवेदक आधार कार्ड, बीपीएल कार्ड या गल्ला पर्ची अथवा जॉब कार्ड, न्यूनतम कक्षा 8वीं उत्तीर्ण की अंकसूची, आय, जाति एवं निवास प्रमाण पत्र व बैंक पासबुक जैसे दस्तावेजों के साथ आवेदन कर सकेंगे।

कलेक्टर ने फील्ड ट्रेनर्स के प्रशिक्षण का लिया जायजा

6 अप्रैल से 16 चार्जवार प्रशिक्षण केन्द्रों में प्रशिक्षण दिया जाएगा

नवभारत न्यूज

पन्ना,30 मार्च। भारत की जनगणना कार्यक्रम 2027 अंतर्गत फील्ड मास्टर ट्रेनर्स के तीन दिवसीय प्रशिक्षण का सोमवार को शुभारंभ हुआ। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान में प्रशिक्षणरत फील्ड ट्रेनर्स द्वारा आगामी 6 अप्रैल से जिले के 16 चार्जवार प्रशिक्षण केन्द्रों में प्रगणक और पर्यवेक्षकों को आवश्यक प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा।

कलेक्टर एवं प्रमुख जनगणना अधिकारी ऊषा परमार द्वारा डाईट प्रशिक्षण केन्द्र पहुंचकर फील्ड ट्रेनर्स के प्रशिक्षण का जायजा लिया गया। इस दौरान सभी प्रशिक्षणार्थियों को जनगणना निदेशालय के निर्देशानुसार जनगणना प्रक्रिया संपादित कराने के निर्देश दिए गए। जिला कलेक्टर ने कहा कि एसआईआर की भांति जनगणना कार्य में भी छोटी-छोटी सावधानी बरती जाना जरूरी है। उन्होंने कहा कि गंभीरतापूर्वक प्रशिक्षण प्राप्त कर अपनी शंका का समाधान भी करें, जिससे आगामी माह में जनगणनाकर्मियों को भी बेहतर प्रशिक्षण मिले। प्रमुख जनगणना अधिकारी ने उपस्थितजनों को शुभकामनाएं दीं और इस प्रशिक्षण को महत्वपूर्ण बताया। साथ ही फरवरी 2027 में जनगणना के आगामी चरण तथा अन्य जनगणना विषयों की जानकारी भी दी। प्रशिक्षण के प्रथम दिवस अपर कलेक्टर एवं जिला जनगणना अधिकारी मधुवंतराव धुर्वे व डॉ. जे.के. वर्मा द्वारा भी जनगणना कार्य की बारीकियों तथा नागरिकों द्वारा स्वगणना प्रक्रिया के जरिए वांछित जानकारियों के आदान-प्रदान की जानकारी दी गई। भोपाल से प्रशिक्षित डॉ. बी.एन. जायसवाल एवं जिला प्रभारी मिलन गुप्ता द्वारा प्रथम चरण में 22 और द्वितीय चरण में भी 4 से 6 अप्रैल तक 22 फील्ड ट्रेनर्स को प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। इस अवसर पर सहायक अधीक्षक जनगणना शाखा उमाशंकर दुबे भी उपस्थित रहे।

सात दिवसीय शिविर का समापन

नवभारत न्यूज

पन्ना, 30 मार्च। मध्य प्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग के आदेशानुसार शासकीय महाविद्यालय खोरा में राष्ट्रीय सेवा योजना का सात दिवसीय विशेष आवासीय शिविर दिनांक 24 से 30 मार्च तक गोदगाम छोटी बनकी के धूनी आश्रम में संपन्न हुआ।

समापन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि स्थानीय जनपद सदस्य लालाराम सिंह, विशिष्ट अतिथि डॉ डीपी कुशवाहा, पूर्व कार्यक्रम समन्वयक राष्ट्रीय सेवा योजना एवं सहायक प्राध्यापक छत्रसाल शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय पन्ना उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ जे के वर्मा ने की। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती एवं स्वामी विवेकानंद की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रचलन के साथ हुआ। कार्यक्रम के प्रारंभ में जनपद सदस्य ने कहा कि इस तरह के कार्यक्रम समाज विकास एवं सकारात्मक सामाजिक परिवर्तन की दिशा में महत्वपूर्ण सावित होते हैं। डीपी कुशवाहा ने राष्ट्रीय सेवा योजना प्रमाण पत्रों की उपयोगिता, महाविद्यालय से लेकर के राष्ट्रीय स्तर तक लगे वाले विभिन्न प्रकार के शिविरों की बिस्तर जानकारी के साथ-साकी बिस्तर जानकारी के साथ-साथ महाविद्यालय के विद्यार्थी अपना सफर वहां तक कैसे तय करेंगे इस पर विस्तार से बताया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ जेके वर्मा ने राष्ट्रीय सेवा योजना का इतिहास, विषयवस्तु, कार्य प्रणाली एवं राष्ट्रीय सेवा योजना से व्यक्तित्व विकास जैसे विषय पर प्रकाश डाला।

शासन के निर्देशों के 3 साल बाद भी रोजगार सहायकों का नहीं हुआ तबादला

नवभारत न्यूज

पन्ना, 30 मार्च। ग्राम पंचायतो में तीन वर्ष से अधिक समय से पदस्थ ग्राम रोजगार सहायकों का तबादला जिले के अंदर किसी भी ग्राम पंचायत में किया जा सकता है। तबादले के संबंध में इस तरह के दिशा निर्देश अक्टूबर 2023 में जारी किये गये थे। जहां जिले में पदस्थ कुल रोजगार सहायकों की संख्या का अधिकतम 10 प्रतिशत तबादला प्रतिवर्ष किया जा सकता था। किन्तु इस आदेश का पालन इस जिले में आज तक नहीं हो पाया।

कई रोजगार सहायकों को वर्तमान में सचिवीय प्रभार भी मिला हुआ है। लिहाजा वे एक साथ दो पदों की जिम्मेदारियों का निर्वहन भी कर रहे हैं। जबकि इस तरह के प्रभार को लेकर कोई आदेश नहीं है। बावजूद इसके एक तरफ पंचायत सचिवों का तबादला भी होता रहता है किन्तु रोजगार सहायकों का तबादला दिशा निर्देश जारी होने के बाद भी नहीं किया जा रहा है। ग्राम पंचायतों में जहां विवाद की स्थितियां हैं उसके पीछे एक बड़ा कारण सचिव व जीआरएस के बीच का विवाद भी है। यदि उसमें सरपंच भी शामिल हो गया तो यह विवाद त्रिकोणीय हो जाता है।

दस प्रतिशत से अधिक तबादला आदेश नहीं:- जिले में पतिवर्ष अधिकतम कितने तबादले हो सकते हैं। इस संबंध में बताया गया है कि जिले में पदस्थ कुल रोजगार सहायकों की कुल संख्या के 10 प्रतिशत से अधिक तबादले नहीं हो सकते। यदि 10 प्रतिशत से अधिक रोजगार सहायकों के तबादले करने की आवश्यकता होती है तो राज्य शासन से अनुमति प्राप्त करना अनिवार्य होगा। किन्तु राज्य शासन केवल संख्या में छूट दे सकती है, स्थान परिवर्तन के प्रस्ताव का अनुमोदन अपेक्षित नहीं होगा।

दिशा निर्देश के बावजूद भी क्यों नहीं हुये प्रस्ताव?:- अब सवाल यह है कि पंचायत एवं ग्रामीण विकास द्वारा करीब डेढ़ वर्ष पूर्व जारी दिशा निर्देशों के बावजूद अभी तक तीन वर्ष से अधिक समय से पदस्थ रोजगार सहायकों के तबादले क्यों नहीं किये गये? 2023 के बाद 2025 भी बीत चुका है और अब 2026 चल रहा है। किन्तु रोजगार सहायकों के तबादलों के मामले में प्रशासन द्वारा अभी तक कोई कार्रवाई नही की जा रही है। यही कारण है कि पंचायतों में स्थानीय निवासी होने का लाभ लेते हुये रोजगार सहायक कई वर्षो से पदस्थ हैं। उन्हीं रोजगार सहायकों के चलते ग्रामीण विकास विभाग की गतिविधियां भी चौपट हो रही हैं।

रोजगार सहायकों के तबादले की निर्धारित प्रक्रिया का तरीका

जारी दिशा निर्देशों के अनुसार तीन वर्ष की सेवा पूर्ण करने पर रोजगार सहायक का तबादला किया जा सकेगा। ऐसी स्थिति में उसका प्रथम ग्राम पंचायत में साथ अनुबंध समाप्त हो जायेगा। इसके साथ ही उसे नवीन ग्राम पंचायत के साथ नवीन अनुबंध निष्पादित करना होगा। जीआरएस का तबादला जिले की भीतर कलेक्टर की अनुमति से किया जायेगा। प्रकरण में गुण-दोष का मूल्यांकन मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत द्वारा किया जायेगा तथा कलेटर के अनुमोदन के उपरान्त स्थान परिवर्तन संबंधी आदेश सीईओ जिला पंचायत द्वारा जारी किया जायेगा। संबंधित पंचायतों को ऐसे आदेश की सूचना दी जायेगी। जारी आदेश का पालन सात दिवस के भीतर करना होगा और नवीन पंचायत में उपस्थिति देनी होगी। तबादला आदेश जारी होने के तीन दिवस के भीतर अतिरिक्त जिला कार्यक्रम समन्वयक, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत मनरेगा को कार्यमुत करना होगा।

दो वर्ष तक तबादला नहीं

दिशा निर्देश मे कहा गया है कि ग्राम रोजगार सहायक का एक बार स्थान परिवर्तन याने तबादला होने के बाद नवीन अनुबंध होने पर कम से कम दो वर्ष की अवधित तक पुनः स्थान परिवर्तन नहीं किया जायेगा। दिव्यांगता, गंभीर बीमारी, परित्यक्ता, विधवा अथवा युक्तियुक्त प्रशासनिक कारण के आधार पर सीईओ जिला पंचायत प्रशासनिक आधार पर किसी भी समय कलेक्टर के अनुमोदन पश्चात तबादला आदेश जारी कर सकते हैं। यदि किसी ग्राम रोजगार सहायक का रिश्तेदार उसी ग्राम पंचायत का सरपंच निर्वाचित होता है तो ऐसी स्थिति में उस ग्राम रोजगार सहायक का स्थान परिवर्तन अनिवार्य रूप से किया जायेगा।

जन अभियान परिषद ने आपदा प्रबंधन जागरुकता प्रशिक्षण में बताए बचाव के उपाय

नवभारत न्यूज

शाहनगर 30 मार्च,मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद द्वारा पन्ना जिले के शाहनगर विकासखंड अंतर्गत ग्राम महिलवारा में आपदा प्रबंधन विषय पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया, यह प्रशिक्षण मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद द्वारा जिले में संचालित अभियान के तहत आयोजित हुआ।

कार्यक्रम का आयोजन परिषद की जिला समन्वयक अनीता जाटव के मार्गदर्शन में विकासखंड समन्वयक राजेश अर्गल की मौजूदगी में किया गया, जहां सर्वप्रथम माँ भारती के चित्र पर पुष्प चढ़ाकर एवं दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया, कार्यक्रम की शुरुआत में ग्राम के सरपंच भरत लाल सिह आदिवासी, सहायक सचिव अजय शर्मा द्वारा ग्रामीण जनों को संबोधित किया गया, इस दौरान लोगों को आपदा प्रबंधन के विभिन्न पहलुओं की विस्तृत जानकारी दी गई, जन अभियान परिषद की परामर्शदाता प्रीति पाण्डेय द्वारा भूकंप, बा? जैसी अचानक आने वाली प्राकृतिक आपदाओं से निपटने के उपायों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि ऐसी घटनाएं बिना पूर्व सूचना के आती हैं, इसलिए सतर्कता और पूर्व तैयारी अत्यंत आवश्यक है। प्रशिक्षण के माध्यम से ग्रामीणों को आपदा के समय सही निर्णय लेने, स्वयं सुरक्षित रहने तथा राहत एवं बचाव कार्यों में प्रभावी सहयोग करने के लिए प्रेरित किया, जिसमें स्थानीय बीएसडब्ल्यू एवं एमएसडब्ल्यू के छात्रों सहित ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और परिषद की पहल की सहारना की, इस दौरान आपदाओं से निपटने के लिए पांच समितियों का चयन भी किया गया जिसमें एक समिति के पांच लोगों को भी जोड़ा गया, और समिति की सदस्यों से समय-समय पर क्षेत्र की निगरानी व छोटी से छोटी समस्याओं पर गंभीरता से विचार करने एवं उसके समाधान के लिए क्या करें इसपर जोर दिया गया,

इस अवसर पर ग्राम के उप सरपंच महोदय भी उपस्थित रहे एवं उन्होंने प्रशिक्षण में आए हुए सभी आगंतुकों एवं ग्रामीण जनों का आभार व्यक्त किया।

अवैध शराब परिवहन करने वाला आरोपी गिरफ्तार

नवभारत न्यूज

पन्ना 30 मार्च। पुलिस अधीक्षक पन्ना श्रीमती निवेदिता नायडू के निर्देशन में थाना अजयगढ़ प्रभारी निरीक्षक हरि सिंह ठाकुर के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम द्वारा दिनांक 30 मार्च को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि एक सफेद रंग की कार में अवैध शराब लाकर आरोपी आकाश सोनी के घर स्थित दुकान में रखी जा रही है।

पुलिस टीम द्वारा माधौगंज स्थित आकाश सोनी के घर पहुंचकर घेराबंदी की गई। मौके पर एक सफेद रंग की चारपहिया वाहन खड़ी मिली, जिसमें बैठा एक व्यक्ति अंधेरे का लाभ उठाकर वाहन सहित फरार हो गया, जबकि दूसरा व्यक्ति भागने का प्रयास करते हुए पुलिस द्वारा पकड़ा गया। पूछताछ में पकड़े गए आरोपी ने अपना नाम यादवेन्द्र सिंह परमार निवासी बनहरीकला थाना अजयगढ़ बताया तथा अपने साथी आकाश सोनी निवासी बीआरसी रोड, माधौगंज के साथ मिलकर चंदला से शराब लाकर दुकान में रखने की बात स्वीकार की।

दुकान की तलाशी लेने पर कुल 14 कार्टून में 697 क्वार्टर अवैध अंग्रेजी शराब बरामद हुई, जिसकी कुल मात्रा 125.460 लीटर एवं अनुमानित कीमत ?1,83,640 है। उक्त शराब को मौके पर जप्त कर आरोपी को गिरफ्तार किया गया। आरोपी के विरूध्द थाना अजयगढ़ में अपराध क्रमांक धारा 34(2) आबकारी एक्ट के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है। फरार आरोपी की तलाश जारी है।

कैसे सिखाएंगे जल संरक्षण, स्कूलों के नलों में पानी नही

नवभारत न्यूज

पन्ना,30 मार्च। शासकीय व निजी विद्यालयों में जल गंगा संवर्धन अभियान चलेगा। शिक्षा विभाग के आदेश में अलग अलग कार्यक्रम तय कर छात्रों के प्रति पानी सरंक्षण का संदेश दिया जाएगा, लेकिन सबसे बडी हैरानी की बात यह है कि कई शासकीय स्कूलों में सूखे व बिगडे हैण्डपंप है इतना ही नहीं पेयजल के लिये लगे वाटर बूथों की टोटिंया तक गायब हैं।

अब ऐसे में सवाल यह उठता है कि आखिर ऐसे में गंगा संवर्धन अभियान कहा तक सफल हो पाता है। शिक्षा विभाग के पास कागजों में विद्यालय के छतों में टंकियां तो रखी है लेकिन पानी का अता पता नही है। टूटे वाटर बूथ व बिगडे हैण्डपंप व्यवस्था को मुंह चिडा रहे है। सबसे ज्यादा हालात ग्रामीण क्षेत्र की प्राथमिक एवं माध्यमिक स्कूलों के है।

ऐसे चलेगा अभियान - जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा पन्ना जिले के सभी हाईस्कूल व हायर सेकेण्डरी प्राचार्यो को जल गंगा संवर्धन चलाने के निर्देश दिये गये। 30 मार्च को अभियान के तहत टंकियों की सफाई, हैंडपंप के आसपास की सफाई, नलों के माध्यम से पानी की बेहतर सप्लाई के बिंदु तय किये गये। एकअप्रेल को वाटर कूलर, मटकों से शीतल एवं शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने की व्यवस्था, 2 अप्रेल को जागरूकता रैली, जल संरक्षण शपथ, 9 अप्रेल को पोस्टर मेंकिग, रंगोली, 16 अप्रेल को निबंध लेखन, 23 अप्रेल को संवाद परिचर्चा एवं 28 अप्रेल को स्थानीय स्तर पर जल संरक्षण एवं जल स्त्रोतो की साफ सफाई पर विद्यार्थियों की सहभागिता का प्रोग्राम तय किया गया है।

जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत वन विभाग ने प्राकृतिक झिरियों की साफ-सफाई की

नवभारत न्यूज

पन्ना 30 मार्च। जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत दक्षिण पन्ना वनमण्डल के शाहनगर वन परिक्षेत्र में प्राकृतिक जल स्त्रोतों के संरक्षण हेतु विशेष पहल की गई।

शाहनगर रेंज ऑफिसर राजुल कटारे के मार्गदर्शन में बीट उमरिया एवं रमगढ़ा की सीमा निर्धारित करने वाले प्राकृतिक नाले में स्थित झिरियों की व्यापक साफ-सफाई कराई गई।

इस कार्य में वनरक्षक आशीष कुमार पाण्डेय, सत्यप्रभा सिंह, रचना जादौन तथा समिति सुरक्षा श्रमिकों ने सक्रिय सहभागिता निभाई। सफाई अभियान के दौरान झिरियों से पॉलिथीन, कचरा एवं अन्य मलवा निकालकर जल स्त्रोतों को स्वच्छ एवं संरक्षित किया गया।

अभियान के तहत 5 साल से फरार स्थाई वारंटी गिरफ्तार

नवभारत न्यूज

पन्ना 30 मार्च। पुलिस अधीक्षक पन्ना श्रीमती निवेदिता नायडू के निर्देशन एवं अजयगढ़ एसडीओपी राजीव सिंह भदौरिया के मार्गदर्शन तथा थाना प्रभारी अजयगढ़ निरीक्षक हरि सिंह ठाकुर के नेतृत्व में अजयगढ़ पुलिस द्वारा मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि स्थाई वारंटी जागेश्वर यादव निवासी तुर्कातरी का अमहा तिगैला के पास देखा गया है।

सूचना प्राप्त होते ही पुलिस टीम द्वारा तत्काल दबिश देकर न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी न्यायालय अजयगढ़ के प्रकरण क्रमांक 97/20 धारा 341, 323, 294, 506 भादवि के आरोपी जागेश्वर उर्फजागे यादव पिता प्यारे लाल यादव उम्र 33 साल निवासी ग्राम तुर्कातरी थाना अजयगढ़ जिला पन्ना को अजयगढ़ पुलिस द्वारा गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया। जो न्यायालय के आदेश पर आरोपी को जिला जेल पन्ना दाखिल कराया गया।

मात्र नाम बदलकर जल गंगा अभियान के सहारे फिर होंगे जल संरक्षण के नाम पर करोड़ों के वारे न्यारे

नवभारत न्यूज

पन्ना 30 मार्च। विगत लगभग 40 वर्षो से तरह तरह के नामों से जल संरक्षण एवं संवर्धन के अभियान चलाये गये लेकिन सभी फ्लाप साबित हुये सिवाय फिजूलखर्ची एवं भ्रष्टाचार के सिवा कुछ हासिल नही हो सका।

अब जल संरक्षण के नाम पर नाम बदल कर जल गंगा अभियान के नाम पर जल संरक्षण के कार्य किये जायेंगे। भले ही फिर पूर्व के अभियानों की तरह नतीजा शून्य रहे वह बात अलग है हालांकि इतने अभियानों के बाद आज भी जल स्तर नही बढा और न ही पेयजल समस्या से निजात मिल सकी। वहीं शहर के कई जल संरचनाओं को समाप्त कर दिया गया, सुनियोजित तरीके से पाट दिया गया, जो शेष बचे हैं वहां भी यही प्रयास चल रहा है। बात विकास की होती है और बड़ी-बड़ी बहुमंजिला इमारतें खड़ी हो जाती हैं। किन्तु वहीं समीप में यदि कोई जल श्रोत हैं जिसे संरक्षित किया जा सकता है वह योजना में शामिल नहीं होता। शासन द्वारा जल संरक्षण एवं संवर्धन को लेकर बड़े-बड़े अभियान चलाये जाते हैं। वर्तमान समय पर जल गंगा संवर्धन अभियान चलाया जा रहा है। अभियान का औपचारिकत शुभारंभ भी हो चुका है। किन्तु सवाल यही है कि इस अभियान के क्या परिणाम होंगे। क्या फिर यह अभियान उन सभी अभियानों की तरह केवल दिखावा साबित होगा जैसा की पहले भी हो चुका है।

गाइडलाइन में नगरीय निकायों के लिये आठ बिन्दु निर्धारित:- जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत जो गाईड लाईन शासन द्वारा निर्धारित की गई है उसमे नगरीय निकायों के लिये आठ बिन्दु निर्धारित किये गये हैं। शहरी क्षेत्रों के विगड़े बाग बगीचों को चिन्हांकित कर उनका हरित विकास करना, गर्मियों में पेयजल सुविधा हेतु सार्वजनिक प्याऊ की व्यवस्था करना, जल ग्रहण संरचनाओं का संवर्धन, नगरीय निकायों में हरित क्षेत्र विकसित करना, एवीफर मैनेजमेन्ट प्लान तैयार करना याने शुद्ध जल के लिये योजना तैयार करना, नदियों में मिलने वाले नालों के शोधन की कार्ययोजना, घरों एवं सार्वजनिक स्थानों पर उपयोग किये जा रहे पानी के अपव्यय को रोकना, नलों के लीकेज सुधारना, टूटे हुये नलों को बदलना एवं पाईप लाईनों के लीकेज सुधारना एवं रेन वाटर हार्वेस्टिग प्रणाली स्थापित करना आदि बिन्दु शामिल किये गये हैं।

कहां गए शहर के प्राचीन कुएं एवं बाबडियां जो सरंक्षित नहीं हुईं

नगर पालिका क्षेत्र पन्ना में कई ऐसे प्राचीन कुंये एवं बाबडियां मौजूद थी यदि उनका संरक्षण किया जाता तो वे आज सुरक्षित होती। मनरेगा जैसी योजना में एक तरफकुओं का निर्माण करवाया जाता है ताकि जल संरक्षण हो सके। किन्तु यहां जो संरचनायें अतीत से मौजूद हैं जिसे संरक्षित किया जाना चाहिये वह नहीं हो पाया। इस संबंध में न तो कभी कोई सर्वे करवाया गया और न हीं ऐसी संरचनाओं की सूची ही तैयार की गई। इसलिये ऐसी कई संरचनायें उपेक्षा का शिकार होती चली गई। इनमें कई संरचनायें ऐसी भी थी जो पूरी तरह से ठीक हालत में थीं किन्तु उन्हें भी नष्ट कर दिया गया। ऐसी संरचनाओं की खोजबीन की जाय एवं चिन्हित किया जाय तो आज भी ऐसे कुयें व बाबडियां मिल सकती हैं जिन्हें बचाया जा सकता है। किन्तु प्रशासन एवं नगर पालिका की कार्ययोजना में ऐसे मामले शामिल ही नहीं हो पाते।

अभियान का फोकस सीमित

जैसा कि देखा जाता है कि इस तरह के अभियान जब शुरू होते हैं जो यहां का नगर पालिका अधिक हुआ तो जेसीबी को लेकर कुछ नालों में सफाई के नाम पर औपचारिकता शुरू कर देता है, जबकि यह काम भी कायोजना के अनुसार समय पर पूरा नहीं हो पाता। शुद्ध पानी की स्थिति यह है कि कई घरों में, कई मुहल्लों के लोग लंबे समय से शिकायतें कर रहे हैं कि गंदा एवं दुर्गन्धयुत पानी आता है, एक ही समय पानी आता है, पर्याप्त मात्रा में पानी नहीं आता। जिस समय पानी छोड़ा जाता है उस समय कई जगह पाईपलाईनो में लीकेज के चलते सड़कों एवं नालियों में पानी बहता रहता है किन्तु सुधार एवं मरमत के नाम पर कुछ खास नहीं हो पाता। वाटर हार्वेस्टिंग के नाम पर जब कोई व्यति भवन निर्माण की अनुमति लेता है तो उसमें एक शर्त जरूर जोड़ दी जाती है। किन्तु निर्माण के दौरान या निर्माण पूर्ण होने के बाद रेन वाटर हार्वेर्सिग के तहत कितना कार्य हुआ इसकी कोई निगरानी नही होती। इसी तरह से रेन वाटर हार्वेस्टिंग के नाम पर अन्य भी जो प्रोजेक्ट हैं उनका भी हाल बेहाल है।